जरूरतमंदों को किया कंबल का वितरण

बड़वानी। ग्राम बड़गांव स्थित शामा स्कूल में ठंड से बचाव के लिए जरूरतमंदों को कंबलों का वितरण किया। सचिन शर्मा ने बताया कि आनंद मेले के संचालक पिंटू लश्करी ने 100 कम्बल लायंस क्लब एवं रेडक्रॉस सोसाइटी सदस्यों को गरीब जरूरतमंदों को बांटने के लिए दिए। अनिल जोशी ने कहा सदस्यों द्वारा सरपंच मालू डावर के सहयोग से 100 कंबल एकत्रित कर वितरित किए गए। स्कूली बच्चों को रुचिकर मध्याह्न भोजन के लिए जलेबी का वितरण भी किया। इस अवसर पर राम जाट, संतोष भावसार, शिक्षक अशफक शेख, मनोज केशरी, रामकिशन पंवार, भीमसिंह अलावा, जागृति परिहार, दुर्गा चौहान, बबीता मंडलोई, रजनी पारगिर, रेखा बामनिया उपस्थित थे।

सहायक आयुक्त ने हाई स्कूल का किया निरीक्षण

बड़वानी। शहर की पीएम श्री शासकीय हाई स्कूल में बुधवार को सहायक आयुक्त द्वारा

आकस्मिक निरीक्षण किया गया। इस दौरान उन्होंने विद्यालय की शैक्षणिक गतिविधियों का अवलोकन किया तथा विद्यार्थियों से सीधा संवाद स्थापित कर आगामी परीक्षाओं में शतप्रतिशत एवं उत्कृष्ट परिणाम प्राप्त करने के लिए मार्गदर्शन दिया। सहायक आयुक्त ने विद्यार्थियों को वस्तुनिष्ठ, लघु उत्तरीय एवं दीर्घ उत्तरीय प्रश्नों को हल करने की प्रभावी रणनीतियों की जानकारी दी। कम समय में अधिक अध्ययन करने, विषयवस्तु को दीर्घकाल तक स्मरण में बनाए रखने तथा उत्तर पुस्तिका में उत्तरों को सुव्यवस्थित, स्पष्ट एवं प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत करने के व्यावहारिक सुझाव दिए। सहायक आयुक्त ने विद्यार्थियों से व्यक्तिगत चर्चा कर उनके स्वास्थ्य संबंधी जानकारी भी ली। साथ ही परीक्षा अवधि में मानसिक संतुलन बनाए रखने, तनाव से दूर रहने तथा स्वास्थ्य को उत्तम रखने के उपायों पर विस्तार से प्रकाश डाला। विद्यार्थियों को भी प्रेरित किया। उन्होंने संतुलित दिनचर्या अपनाने, नियमित अध्ययन एवं उचित विश्राम को भी अत्यंत आवश्यक बताया। विद्यार्थियों को किसी भी तरह का मानसिक दबाव न लेने की सलाह देते हुए उन्होंने निर्देशित किया कि तनाव या किसी समस्या की स्थिति में विद्यालय प्राचार्य या संबंधित शिक्षकों से तत्काल संपर्क कर समाधान प्राप्त करें। अंत में सहायक आयुक्त ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि निरंतर परिश्रम, आत्मविश्वास और अपनी क्षमताओं के समुचित उपयोग से वे राज्य एवं जिला स्तरीय मेरिट सूची में स्थान प्राप्त कर सकते हैं और अपने लक्ष्य को सपुलतापूर्वक हासिल कर सकते हैं।

निमाड़ में गहराता जल संकट, 500 फीट नीचे पहुंचा भूजल स्तर

पुराने तालाब, बावड़ी और कुओं की उपेक्षा से बिगड़े हालात, संरक्षण और वर्षा जल संग्रहण ही स्थायी समाधान

बड़वानी, (नवभारत)।
जिले के कई क्षेत्रों में अभी से भूमिगत जलस्रोत घट रहा है, जो गर्मी में गंभीर समस्या उत्पन्न कर सकता है। हालात ये हैं कि कई गांवों में भूजल स्तर 500 फीट से नीचे पहुंच गया है, जिससे उन क्षेत्रों में आने वाले समय में पानी तक की समस्या खड़ी हो सकती है। पुराने समय के जानकार इस संकट को पहले ही भांप चुके थे, इसी कारण उन्होंने हर मौसम में पानी की सहज उपलब्धता बनाए रखने के लिए सैकड़ों कुएं, बावड़िया और तालाबों का निर्माण कराया था, लेकिन समय के साथ इन पारंपरिक जलस्रोतों को भुला दिया गया और आज उसका दुष्परिणाम सामने है।

ग्रामीण यांत्रिकी विभाग के कार्यपालन यंत्री आरएस बामनिया ने बताया कि जिले में प्रधानमंत्री जल जीवन मिशन के तहत नल-जल योजना के तहत 336 गांवों को शामिल किया गया है। इनमें से 277 गांवों में योजना का कार्य पूर्ण हो चुका है और 245 गांवों में इसे पंचायतों को हस्तांतरित भी कर दिया गया है। शेष 59 गांवों में योजना प्रगति पर है। वहीं जिले के 55 ऐसे गांव हैं, जहां नल-जल योजना का कार्य अभी शुरू नहीं हो सका है, जिससे वहां पेयजल की उपलब्धता प्रभावित हो रही है। जल संसाधन विभाग के कार्यपालन यंत्री पारस परमार ने बताया कि जिले के पाटी, पानसेमल, वरला, निवाली और सेंधवा विकासखंड कम जलस्तर वाले क्षेत्र हैं। निरीक्षण के दौरान वरला ब्लॉक के ग्राम विनायकी के स्कूल फलिया के नलकूप में जलस्तर 500 फीट से नीचे पाया गया। उन्होंने बताया कि पाटी विकासखंड के गंधावल क्षेत्र में बने बेड़दा तालाब से भूजल स्तर में वृद्धि हुई है, जिससे सिंचाई और पेयजल की समस्या का स्थायी समाधान संभव हो पाया है।

सिंचाई और पीने के पानी का मुख्य स्रोत बनी रही

विशेषज्ञों के अनुसार पश्चिम निमाड़ के नाम से विख्यात बड़वानी क्षेत्र अनियंत्रित बारिश और भूमिगत जल की सीमित उपलब्धता के कारण रियासतकाल में पूरे जिले में कई तालाब, बावड़ी और कुएं बनवाए गए थे। इन तालाबों को आपस में जोड़ा गया था, ताकि कहीं अधिक और कहीं कम वर्षा होने की स्थिति में जल संतुलन बना रहे। आजादी के बाद भी लंबे समय तक यही जल संरचनाएं सिंचाई और पीने के पानी का मुख्य स्रोत बनी रही और भूजल स्तर भी बढ़ा हुआ रहा, लेकिन समय के साथ सुविधाओं के विस्तार और उपेक्षा के चलते इन जलस्रोतों की देखरेख बंद हो गई। परिणामस्वरूप जिले के करीब 40 प्रतिशत तालाब या तो पूरी तरह लुप्त हो चुके हैं या अतिक्रमण की चपेट में आ गए हैं।

तालाबों की वास्तविक स्थिति

जल संरक्षण और जल संरचनाओं पर अध्ययन करने वाले इतिहासकार डॉ एसएन यादव बताते हैं कि रियासतकाल में जिले में कई छोटे-बड़े तालाबों का निर्माण किया गया था। वर्तमान में इनमें से बहुत कम तालाब ही अस्तित्व में हैं। अधिकांश तालाबों पर अतिक्रमण कर खेती शुरू कर दी गई है। सिंचाई विभाग के रिकॉर्ड में केवल 109 तालाब ही दर्ज हैं, जिनसे सिंचाई और पेयजल के लिए पानी उपलब्ध कराया जा रहा है। शेष तालाब विभागीय रिकॉर्ड में भी दर्ज नहीं हैं। डॉ यादव के अनुसार पुराने तालाबों का संरक्षण और नदियों से बहने वाले वर्षा जल का संग्रहण ही जल संकट से उबरने का एकमात्र उपाय है। डॉ यादव के अनुसार 30-35 वर्ष पहले अधिकांश गांवों में 50 से 60 फीट की गहराई पर ही पानी मिल जाता था। आज कई गांवों में 500 फीट तक नलकूप खनन के बाद भी पानी नहीं मिल पा रहा है। हालांकि जहां अभी भी जल उपलब्धता है, वहां 100 फीट के भीतर पानी मिल जाता है।

नई योजनाओं की तैयारी

जिले में 39 गांवों सहित अन्य एकल योजनाओं के लिए तालाब निर्माण की योजनाएं तैयार कर पोर्टल पर दर्ज कर दी गई हैं। शासन स्तर से स्वीकृति मिलते ही इन पर कार्य शुरू किया जाएगा। वर्तमान में 19 योजनाएं स्वीकृत हैं, जिनकी डीपीआर बनाकर प्रशासकीय स्वीकृति की प्रक्रिया चल रही है, जबकि कुछ योजनाओं में निविदाएं आमंत्रित की गई हैं।

पारस परमार, कार्यपालन यंत्री जल संसाधन विभाग संभाग बड़वानी

लुप्त या अतिक्रमण की चपेट

- 40 प्रतिशत तालाब या तो पूरी तरह लुप्त हो चुके हैं या अतिक्रमण की चपेट में आ गए हैं।

कार्यशाला का हुआ आयोजन

बड़वानी, (नवभारत)।
शासकीय आदर्श महाविद्यालय में उद्यमिता और स्टार्टअप अंतर्गत उच्च शिक्षा विभाग तथा स्वामी विवेकानंद कैरियर मार्गदर्शन योजना के निर्देशानुसार कार्यशाला आयोजित की जाना है। इसी क्रम में जिला नोडल डॉ अनिल पाटीदार ने बुधवार को कार्यशाला आयोजित की। प्राचार्य डॉ प्रमोद पंडित ने कहा कि उद्यमिता और स्टार्टअप विकसित भारत 2047 की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। इस दौरान डॉ बीएस मुजाल्दा, डॉ अनिल पाटीदार ने भी जानकारी दी। आभार प्रो आरआर ने व्यक्त किया। कार्यशाला में डॉ दिनेश पाटीदार, डॉ सुनीता, डॉ गीतांजलि, डॉ प्रिया, डा ण्पूजा सोनगढे, प्रो आकाश, डॉ रेवाराम मंडलोई, डॉ माणकसिंह सहित अनेक अध्यापक व विद्यार्थियों की उपस्थित थे।

पिस्टल के साथ लूट के आरोपी पुलिस की गिरफ्त में

नवभारत न्यूज़
बड़वानी, 05 फरवरी.
लूट के मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए नागलवाड़ी पुलिस द्वारा सफलता हासिल की गई। पुलिस ने बताया कि प्रभारी पुलिस अधीक्षक धीरज बब्बर के निर्देशन एवं एसडीओपी सेंधवा अजय वाघमारे के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी नागलवाड़ी निरीक्षक माधव सिंह ठाकुर के नेतृत्व में लूट की घटना का खुलासा किया।

पुलिस ने नागलवाड़ी थाने में अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया। विवेचना के दौरान आरोपी असलम पिता फैजु सैयद उम्र 22 वर्ष निवासी ईदगाह मोहल्ला बड़वानी, मुकेश उर्फ गारदा पिता लालू डावर उम्र 19 वर्ष निवासी बंधान बड़वानी, अनिल पिता रूमसिंह डावर उम्र 28 वर्ष निवासी बंधान बड़वानी एवं निवोद पिता सरदार बड़ोले उम्र 26 वर्ष निवासी इन्द्रपुर राजपुर को पुलिस रिमांड पर लेकर तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर पुछताछ की।

आरोपियों के कब्जे से घटना में लूटी गई राशि में से 71000 रूपए नकद एवं एक काले रंग का बैग बरामद किया गया तथा घटना में प्रयुक्त एक अवैध देशी पिस्टल जब्त की गई। वहीं घटना में प्रयुक्त दो-पहिया वाहन पूर्व से थाना

राजपुर में जब्त है। प्रकरण में गिरफ्तार आरोपियों को 4 फरवरी को न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया।

इनकी रही भूमिका

कार्रवाई में थाना प्रभारी नागलवाड़ी निरीक्षक माधव सिंह ठाकुर, सहायक उपनिरीक्षक शक्तिसिंह सिकरवार, प्रधान आरक्षक सूरजसिंह, प्रधान आरक्षक राहुल पाटील, प्रधान आरक्षक चालक राजेश, आरक्षक जालम, आरक्षक सतीश, आरक्षक अजय कलमे, आरक्षक अशोक एवं आरक्षक अरुण राठौड़ की भूमिका रही।

एक नजर में

सिविल अस्पताल में स्वास्थ्य शिविर

इंदौर . महू विधायक उषा ठाकुर के नेतृत्व और मार्गदर्शन में सिविल अस्पताल महू में निशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया . शिविर में 15383 मरीजों द्वारा स्वास्थ्य लाभ लिया गया, 43 मरीज को ऑपरेशन के लिए चिन्हित कर उनको जेके अस्पताल भोपाल की बस द्वारा सर्जरी हेतु भेजा गया . 53 लोगों ने आयुष्मान कार्ड, 125 लोगों के आभा आई डी कार्ड, 19 लोगों के विकलांगता प्रमाण पत्र एवं 257 लोगों ने आधार कार्ड बनवाए . 127 लोगों ने एक्सरे, 247 लोगों ने खून की जांचे, 24 लोगों द्वारा ईसीजी करवाया गया . शिविर में जेके अस्पताल भोपाल से आए सभी प्रकार के विषय विशेषज्ञों द्वारा अपनी स्वास्थ्य सेवाएं दी गई, साथ ही सिविल अस्पताल महू के सभी चिकित्सकों द्वारा भी अपनी सेवाएं प्रदान की गई . ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों द्वारा शिविर में बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया गया . महू विधायक के निर्देशानुसार आज जिन मरीजों को चिकित्सकीय परीक्षण पश्चात बुलाया गया है, उनके उपचार और ऑपरेशन भी निशुल्क रहेंगे . ज्ञातव्य है कि विधायक उषा ठाकुर के तत्वाधान में ऐसे शिविर ग्रामीण अंचल में भी अब निरंतर होते रहेंगे . महू एसडीएम, जनपद पंचायत सीईओ, सीएमएचओ इंदौर, एसडीओपी डब्लू डी, प्रभारी सिविल अस्पताल महू, बीएमओ मानपुर, शिविर में उपस्थित रहे . डॉ अमित सोनी और डॉ . आकाश पाठक द्वारा शिविर की पूर्ण व्यवस्था संभाली गई .

प्रदर्शन कर अवैध कब्जा हटाने की मांग

महू . तहसील महू के ग्राम पंचायत सिमरोल में स्टेट बैंक ऑफ़ इंडिया के सामने टेकरी पर अवैध कब्जा जमाया जा रहा है . इस कब्जे को हटाने के लिए ग्राम पंचायत सिमरोल सरपंच अशोक सैनी व ब्लैक कार्यवाहक अध्यक्ष दिनेश सिलवाडिया ने तहसीलदार के नाम एक ज्ञापन सौंपा है . ज्ञापन देकर उन्होंने मांग की है कि कब्जे किए गए स्थान पर हिंदू समाज द्वारा 150 वर्षों से होलिका दहन किया जा रहा है . जबकि होली के पूर्व इस स्थान पर कब्जा कर लिया गया है . यहां के कांग्रेस नेताओं ने विरोध प्रदर्शन कर इस टेकरी पर अवैध कब्जे को हटाने की मांग की है . यदि सप्ताह भर के भीतर अब कब्जा नहीं हटाया जाता है, तो धरना व आंदोलन किया जाएगा .

महिला वर्ग में बीकानेर राजस्थान का शानदार प्रदर्शन

इंदौर . मध्यप्रदेश फुटबॉल एसोसिएशन एवं इंदौर जिला फुटबॉल संघ के संयुक्त तत्वावधान में स्वर्गीय भगवानदास शर्मा एवं प्रख्यात फुटबॉलर स्वर्गीय शंकरराव नवग्रहे (शंकर दादा) की स्मृति में आयोजित ऑल इंडिया सीनियर महिला फुटबॉल लीग प्रतियोगिता के आज सातवें दिन महिला वर्ग में एक शानदार रोमांचक मुकाबला खेला गया . खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करने हेतु अतिथि के रूप में महू पत्रकार संघ के अध्यक्ष विजय खंडेलवाल, इनामुलहक (इंडियन रेलवे खिलाड़ी) एवं इंदौर जिला फुटबॉल संघ के सहसचिव नितिन संकत उपस्थित रहे . इस अक्सर पर इंदौर जिला फुटबॉल संघ से जगदीशचंद खोड़े, अशोक पिल्ले, सुरेश डामोर, एस .एम सलीम, ओपी बाथम, गोपाल धवन, प्रवीण कांबले, शिवम शर्मा, अशोक डागर, अविनाश यादव, रवि खोड़े आदि सदस्य उपस्थित रहे . प्रतियोगिता के संयोजक नीरज शर्मा एवं अमित शुक्ला ने जानकारी देते हुए बताया कि आज प्रतियोगिता में महिला वर्ग के अंतर्गत एक मैच खेला गया . एम .एस .आर एकेडमी बीकानेर फुटबॉल क्लब राजस्थान ने न्यू सिटी फुटबॉल क्लब छिंदवाड़ा को हराकर सेमिफाइनल में प्रवेश किया . पुरुष राज्य स्तरीय क्वालीफाई मुकाबले के अंतर्गत आज दो शानदार रोमांचक मुकाबले खेले गए . बालाजी स्ट्राइकर फुटबॉल क्लब महू को आदिवासी फुटबॉल क्लब इंदौर ने हराया . नैशनल फुटबॉल क्लब महू ने आदिवासी एकेडमी फुटबॉल क्लब इंदौर को हराया . प्रतियोगिता के मैच कमिश्नर आकाश पिल्ले, निर्णायकों की भूमिका में निखिल दीवार, शिवम नंदराज, गोविंद परमार, दीपक फूलपगारे, मनोज मोरने, गोलू वसुनिया एवं बचनसिंह मावी है .

किराये की कारों की ठगी का बड़ा खुलासा

- अन्नपूर्णा पुलिस ने 38 कारें की जब्त

इंदौर. किराये पर ली गई कारों की हेराफेरी कर बड़े पैमाने पर धोखाधड़ी करने वाले शातिर आरोपी के खिलाफ थाना अन्नपूर्णा पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए अब तक 38 कारें जब्त की हैं, . आरोपी पिछले 15 दिनों से पुलिस रिमांड पर है और उससे लगातार सघन पूछताछ की जा रही है.

अन्नपूर्णा थाने में आरोपी के खिलाफ अब तक धोखाधड़ी के चार अपराध दर्ज किए जा चुके हैं, जबकि पूछताछ के दौरान दो और नए मामलों का खुलासा हुआ है. आरोपी के खिलाफ इंदौर और उज्जैन के अलग-अलग थानों में पूर्व से भी धोखाधड़ी और जालसाजी के नौ प्रकरण दर्ज होने की जानकारी सामने आई है. पुलिस के अनुसार 20 जनवरी 2026 को न्यू गोरी नगर निवासी एक निजी कर्मचारी ने थाने में शिकायत दर्ज कराई थी. फरियादी ने बताया कि उसने जनवरी 2025 में एक मारुति स्विफ्ट कार खरीदी थी, जिसे अगस्त 2025 में केशरबाग रोड स्थित एक कार वॉशिंग सेंटर संचालक को 24 हजार रुपए प्रतिमाह किराये पर दिया गया था. 11 माह का लिखित अनुबंध भी किया था. आरोपी ने केवल दो माह का किराया दिया, इसके बाद भुगतान बंद कर दिया. बाद में फरियादी को पता चला कि उसकी कार किसी अन्य व्यक्ति के पास गिरवी रख दी गई है. शिकायत के आधार पर थाना अन्नपूर्णा में धोखाधड़ी की धाराओं में प्रकरण दर्ज किया. इसी तरह के मामलों में अन्य फरियादियों की रिपोर्ट पर आरोपी के खिलाफ दो और अपराध दर्ज किए.

ऊंचा किराए का देता था लालच

पुलिस जांच में सामने आया है कि आरोपी कार मालिकों को ऊंचे किराये का लालच देकर 11 महीने का एग्रीमेंट करता था. इसके बाद कारों को अन्य लोगों के पास गिरवी या किराये पर देकर मोटी रकम वसूल लेता था. शुरुआती कुछ महीनों तक किराया देने के बाद भुगतान बंद कर देता और वाहनों में लगे जीपीएस भी निकलवा देता था. जब वाहन मालिक दबाव बनाते थे तो आरोपी आंशिक रकम देकर दोबारा भरोसे में ले लेता था और कानूनी मामलों में फंसाने की धमकी भी देता था.

जनसुनवाई में पुलिस कमिश्नर ने खुद सुनीं समस्याएं

- समय-सीमा में समाधान के निर्देश

इंदौर. आमजन की शिकायतों के तुरंत निराकरण के उद्देश्य से आयोजित साप्ताहिक जनसुनवाई में मंगलवार को पुलिस कमिश्नर ने प्रत्येक आवेदक से सीधे संवाद किया. उन्होंने समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित अधिकारियों को तत्काल कार्रवाई कर निर्धारित समय-सीमा में समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए.

जनसुनवाई के दौरान 79 शिकायत आवेदन प्राप्त हुए. इनमें पारिवारिक और आपसी विवाद, पैसों के लेन-देन, फाइनेंशियल फ्रॉड, सुनवाई नहीं होने की शिकायतें, प्लॉट व जमीन से जुड़ी धोखाधड़ी, महिला अपराध सहित पुलिस से संबंधित अन्य समस्याएं प्रमुख रहीं. पुलिस कमिश्नर संतोष कुमार सिंह ने प्रत्येक आवेदक से व्यक्तिगत रूप से बातचीत कर उनकी बात सुनी और संबंधित अधिकारियों को मौके पर ही आवश्यक दिशा-निर्देश दिए. उन्होंने स्पष्ट किया कि शिकायतों का निपटारा केवल कागजी कार्रवाई तक सीमित न रहे, बल्कि समय-सीमा में ठोस समाधान दिखना चाहिए. साथ ही नागरिकों को भरोसा दिलाया कि उनकी सुरक्षा और हितों की रक्षा के लिए इंदौर पुलिस पूरी तरह प्रतिबद्ध है.

क्रेडिट कार्ड की लिमिट बढ़वाने के नाम पर की धोखाधड़ी

- जालसाजों ने युवक के खाते से उड़ाए करीब 1 लाख रुपये

इंदौर. शहर में साइबर ठगों के हौसले बुलंद हैं. ताजा मामला भंवरकुआं थाना क्षेत्र का है, जहां एक युवक को क्रेडिट कार्ड की लिमिट बढ़वाने का झांसा देकर साइबर अपराधियों ने करीब 98 हजार रुपये की चपत लगा दी. पुलिस ने फरियादी की शिकायत पर अज्ञात आरोपी के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है.

पुलिस के मुताबिक रफेली कॉलोनी के निवासी कमलेश पिता कृपाशंकर पाण्डेय ने थाने पहुंचकर अपनी शिकायत दर्ज कराई है. फरियादी ने बताया कि उनके पास एक अज्ञात व्यक्ति का फोन आया था, जिसने खुद को बैंक प्रतिनिधि बताते हुए क्रेडिट कार्ड की लिमिट बढ़ाने का ऑफर दिया. झांसे में लेने के बाद आरोपी ने कमलेश के मोबाइल पर एक संदिग्ध लिंक भेजा. जैसे ही फरियादी ने उस लिंक पर क्लिक कर प्रक्रिया आगे बढ़ाई, उनके खाते से पैसे कटने के मैसेज आने लगे. जालसाजों ने तकनीक का सहारा लेकर फरियादी के खाते में सेंध लगाई और कुल 98,553 रुपये पार कर दिए. मोबाइल पर बड़ी राशि कटने का मैसेज देखकर कमलेश के होश उड़ गए, जिसके बाद उन्होंने तुरंत बैंक को सूचित किया और भंवरकुआं थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई. पुलिस ने इस मामले में धोखाधड़ी का प्रकरण पंजीबद्ध किया है. पुलिस अब साइबर सेल की मदद से उस मोबाइल नंबर और ट्रांजेक्शन हिस्ट्री को खंगाल रही है, जिसके जरिए पैसे ट्रांसफर किए हैं.

एक नजर में | **सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के बावजूद नहीं किया जा रहा शिफ्ट, बढ़ रहे काटने के मामले**

आवारा श्वानों की बढ़ती संख्या से लोग हो रहे परेशान

इंदौर. शहर में आवारा श्वानों के काटने की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं, लेकिन इसके बावजूद नगर निगम द्वारा अब तक कोई ठोस और प्रभावी कदम नहीं उठाए गए हैं.

उच्च न्यायालय के निर्देशों के बाद भी ज़मीनी स्तर पर हालात में खास बदलाव नहीं देखा गया है करीब दो माह पहले सुप्रीम कोर्ट ने देशभर के नगरीय निकायों को सार्वजनिक स्थानों से आवारा श्वानों को हटाकर उन्हें डॉग शेल्टर होम में स्थानांतरित करने के निर्देश दिए थे लेकिन इंदौर में इन निर्देशों पर अमल होता नहीं दिख रहा है. नगर निगम के आंकड़ों के अनुसार शहर में दो लाख से अधिक आवारा श्वान हैं और प्रतिदिन औसतन 200 लोग श्वान काटने का शिकार हो रहे हैं. फिलहाल देवगुराडिया ट्रेंचिंग ग्राउंड पर स्थित एकमात्र डॉग शेल्टर होम की क्षमता केवल 200 श्वानों की है. निगम प्रशासन का कहना है कि नए डॉग शेल्टर होम के लिए तीन-चार स्थान देखे जा चुके हैं लेकिन अब तक किसी स्थान को अंतिम रूप नहीं दिया गया है. ऐसे में आवारा श्वानों की बढ़ती समस्या को लेकर नागरिकों की चिंता लगातार बढ़ती जा रही है.

इनका कहना है...

सार्वजनिक स्थान पर आवारा श्वान कहां से पहुंचते हैं यह बिंदु पर गौर करने वाली बात है. कच्ची बस्ती और मोहल्ला को टारगेट करना चाहिए. इनकी तादाद अधिक वहीं होती है.
- याकूब अली

शहर का कोई भी ऐसा क्षेत्र नहीं बचा जहां आज भी आवारा श्वानों की टोली दिखाई नहीं देती हो जिससे साफ जाहिर होता है की कार्रवाई की पहल अब तक नहीं हुई.
- मुन्नालाल आर्य

डॉग बाइट के शिकार अधिकतर बच्चे महिलाएं एवं बुजुर्ग होते हैं. आवारा श्वानों की समस्या शहर में बढ़ती जा रही है. हालात को देखते लापरवाही हुई तो इससे निपटना आसान नहीं होगा.
- राहुल सालवी

महिला साथी के साथ पकड़ाया ड्रग तस्कर

- 1.30 लाख की ब्राउन शुगर बरामद

इंदौर. शहर में नशे के कारोबारियों पर पुलिस का शिकंजा लगातार कसता जा रहा है. इसी कड़ी में आजाद नगर पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर एक बड़ी कार्रवाई करते हुए एक युवक और उसकी महिला साथी को अवैध मादक पदार्थ के साथ गिरफ्तार किया है. आरोपियों के पास से करीब 1.30 लाख रुपये कीमत की ब्राउन शुगर बरामद की गई है.

आजाद नगर पुलिस को सूचना मिली थी कि पंचमुखी हनुमान मंदिर के सामने खाली मैदान में दो संदिग्ध व्यक्ति मादक पदार्थ की सप्लाई के लिए खड़े हैं. सूचना की तस्दीक करते हुए पुलिस टीम ने मौके पर घेराबंदी की और वहां मौजूद युवक-युवती को हिरासत में लिया. पूछताछ में युवक ने अपना नाम सोहेल पिता इकबाल खान निवासी मदीना नगर और महिला ने अपना नाम सना खान निवासी बडला खजराना बताया. जब पुलिस टीम ने महिला आरक्षक की उपस्थिति में दोनों की विधिवत तलाशी ली, तो उनके कब्जे से 13.8 ग्राम अवैध ब्राउन शुगर बरामद हुई. अंतरराष्ट्रीय बाजार में इस मादक पदार्थ की कीमत करीब 1 लाख 30 हजार रुपये आंकी जा रही है. पुलिस ने नशीले पदार्थ को जब्त कर आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है. प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया है कि आरोपी शहर के विभिन्न इलाकों में ड्रग्स की छोटी-छोटी पुड़िया बनाकर सप्लाई करने की फिराक में थे. पुलिस अब सोहेल और सना से यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि वे यह खेप किससे लेकर आए थे और उनके नेटवर्क में और कौन-कौन लोग शामिल हैं.